

Dipendra Singh
9335448671



R.K. Choudhary
8384831556

मार्बल & ग्रैनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखण्ड)

खुद्दुबांध कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के आसपास असामाजिक तत्व का जमावड़ा

झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। खूंटा बांध टापू जहाँ कुश्ती का अभ्यास कराया जाता है जहाँ से बच्चे लगातार दुमका एवं झारखण्ड के लिए लगातार मेडल ला रहे हैं। शहर के बीचों-बीच होने से यहाँ पर जिला स्तरीय व राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। उस जगह पर प्रशासन को कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जहाँ पर बालिका एवं महिला पहलवान दूँदूर से आकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं वहाँ पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा सुबह से रात तक लगा रहता है जहाँ लोग गाजा शराब का अनुभव यहाँ पर शराब का सेवन करते हैं तथा बोतलों की बहनी तोड़ देते हैं। इससे खिलाड़ियों को चोट भी पहुंचती है। मैदान पर सुबह पड़ रहा है। पुलिस गश्त नहीं होने



और शाम शहर के कई खिलाड़ी छात्र-छात्राएं अभ्यास करने जाते हैं। इस दौरान उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहाँ पर एक सामुदायिक शैक्षात्कार के अंदर चोरी भी कर ली गई है जिससे महिला पहलवानों को चौंचिंग रूम एवं वॉशरूम का काफी समस्या का समाधान करना पड़ता है। जो चोरी-न्युज़ यहाँ पर शराब का सेवन करते हैं तथा बोतलों की बहनी तोड़ देते हैं। इससे खिलाड़ियों को चोट भी पहुंचती है। मैदान पर सुबह पड़ रहा है। पुलिस गश्त नहीं होने

के कारण असामाजिक तत्व के लोगों का हाईसले बुलंद है। जिला प्रशासन शहर के बीचों बीच हो रहे असामाजिक तत्वों से बेखबर होकर सो रही है। उन्हें तुरंत इस समस्या पर संज्ञान लेना चाहिए। नेशनल प्लेयर प्रमिका हैंड्रेम ने कहा कि कुश्ती के मैदान में आए एवं वॉशरूम का समाधान करना पड़ता है। जिससे वहाँ पर जिला खिलाड़ियों के पास असुविधा का समाना करना पड़ रहा है।

निम्निति खेलने वाले खिलाड़ियों को असुविधा का समाना करना पड़ रहा है।

जमावड़ा को जल्द से जल्द खत्म करें वहाँ ललिता कुमारी ने कहा कि हमारे कुश्ती ग्राउंड के आसपास कि सी भी प्रकार का चौंचिंग रूम नहीं है इस कारणवश कुश्ती ग्राउंड के निकट सामुदायिक शैक्षात्कार जो बद पड़ा हुआ था उसे हम महिला खिलाड़ी चौंचिंग रूम एवं वॉशरूम के रूप में बूज कर रहे थे परंतु असामाजिक तत्वों द्वारा वहाँ पर चोरी की जाने के कारण गेट को भी तोड़ दिया गया जिससे हमें चौंचिंग रूम की भी जाह उत्तराखण्ड नहीं हो पारी है। अंजू टूटू ने कहा हम सभी प्लेयर मेहनत कर राज्य में एवं राज्यीय में पदक लाए हैं हमें किसी प्रकार की सुविधा उत्तराखण्ड नहीं की जा रही है और जो भी हमारे जमावड़ा रहता है। ऐसे में हमेशे एक डर बना रहता है। ऐसे में हमेशे एक डर बना रहता है। ऐसे में हम खिलाड़ी की जाह ग्राउंड में फैली भी जाती है कि जिससे हम खिलाड़ियों को फोड़े गए कांच से कॉफी बार इंजीरी का सामना करना पड़ रहा है।

जमावड़ा को जल्द से जल्द खत्म करें वहाँ ललिता कुमारी ने कहा कि हमारे कुश्ती ग्राउंड के आसपास कि सी भी प्रकार का चौंचिंग रूम नहीं है इस कारणवश कुश्ती ग्राउंड के निकट सामुदायिक शैक्षात्कार जो बद पड़ा हुआ था उसे हम महिला खिलाड़ी चौंचिंग रूम एवं वॉशरूम के रूप में बूज कर रहे थे परंतु असामाजिक तत्वों द्वारा वहाँ पर चोरी की जाने के कारण गेट को भी तोड़ दिया गया जिससे हमें चौंचिंग रूम की भी जाह उत्तराखण्ड नहीं हो पारी है। अंजू टूटू ने कहा हम सभी प्लेयर मेहनत कर राज्य में एवं राज्यीय में पदक लाए हैं हमें किसी प्रकार की सुविधा उत्तराखण्ड नहीं की जा रही है और जो भी हमारे जमावड़ा रहता है। ऐसे में हमेशे एक डर बना रहता है। ऐसे में हम खिलाड़ी की जाह ग्राउंड में फैली भी जाती है कि जिससे हम खिलाड़ियों को फोड़े गए कांच से कॉफी बार इंजीरी का सामना करना पड़ रहा है।

जय माता दी सेवा समिति द्वारा 150 लोगों को कराया भोजन



झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रविवार को दोपहर 38° गर्मी में भी रविवार भोजन सेवा में राजमा, चावल, चिस्प, आचार का भोजन अध्यक्ष राजेश कुमार राजत के घर से स्वनिर्मित भोजन, शहर के टाटा शोरूम, टीन बाजार, धर्म स्थान, वीर कुंवर सिंह चौक, जी सी

चौक, बस स्टैंड, पेखरा चौक बहुत शांति मिलती है और ये कार्यक्रम 1 जनवरी 2022 से लगभग प्रत्येक रविवार लगातार होता आया है ये कार्यक्रम अभी निरंतर चले एसा प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजेश कुमार राजत, सर्वोप कुमार जय बमबाम, प्रीतम कुमार, सर्वोप कुमार ठाकुर, आदित्य राज इत्यादि लोगों का कार्य सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

गिर्दी लोड ट्रेलर और स्कार्पियो ने जोरदार निःशुल्क, एक निःशुल्क सनेत सात लोग गंभीर रूप से घायल



झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। उपराजधानी दुमका में लगभग प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाओं से लोग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं, कुछ तो हादसों में जान भी गंवा रहे हैं। लेकिन इसका कुछ स्थायी हल नहीं निकल रहा है। इतारिकर कब तक यहाँ लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाने रहे रखने वाला इस गंभीर समस्या का कोई हल नहीं है। रविवार को भी हांसडीहा दुमका मुख्य मार्ग पर कुरमाहाट रेलवे स्टेशन के पास गिर्दी लोड ट्रेलर और स्कार्पियो में जोरदार भिंडियां हो गई हैं। मिलियां जानकारी के अनुसार स्कार्पियो भागलपुर से बासुकीनाथ यात्रा की रही थी। कुरमाहाट के पास दुमका की ओर से आ रख गिर्दी लोड ट्रेलर से स्कार्पियो की भिंडियां हो गई हैं। जिसमें बड़ी गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की सुचना मिलते ही जामा आया प्रभारी जिंदेंद्र यादव एवं एस एस एस रिवर संकर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के साथ राहत बचाव कार्य में जुट गए। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए फूलों जानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल

जिला भेजवाया। मैके पर स्थानीय निवासी रामण यादव, संजय कुंवर, पण्णु यादव, सारू पूजाहर, सनातन

रुज, मुना रुज, रंजन यादव, विपिन कुंवर सहित अन्य लोग उपरिथित थे।

पिली जानकारी के अनुसार राजा

निकल गया। गंभीर रूप से घायल लोगों का सामान गाड़ी में ही छुट्टे गया था जिसने गाड़ी सहित ले आया रहा है। जामा थाना सुरक्षित ले आया रहा है। जामा थाना प्रभारी जिंदेंद्र साह ने बताया कि घटना में दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहाँ कुछ यात्रियों को आंशिक रूप से घायलों के बालों जानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेजा गया। जिसमें गाड़ी की गंभीर रूप से घायल हो गयी है। घटना की सुचना मिलते ही जामा आया प्रभारी जिंदेंद्र यादव एवं एस एस एस रिवर संकर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और दुमका भेजवाया। घटना की जानकारी के अनुसार काउंसलिंग में कुल 6 मामलों के संबंधित को उपस्थित होने का नोटिस दिया गया था। जिस पर सभी मामलों में ही दोनों पक्ष अस्थित हुए। उपरिथित अपने लोगों को लेकर विवाह के भागलपुर जा रही

झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा थाना क्षेत्र के दुमका भागलपुर मुख्य मार्ग पर बारा पलासी के पास अज रविवार को कोलकाता से भागलपुर जा रही राजा डीलक्स यात्री बस संसुलन बिगड़ने से दुर्घटनाग्रस्त होकर रात रात गयी, जिसमें कीरी 9 लोग घायल हो गये। घटना की सुचना मिलते ही जामा आया प्रभारी जिंदेंद्र यादव एवं एस एस एस रिवर संकर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए फूलों जानो मेडिकल कॉलेज को ले गया।



जिला भेजवाया। मैके पर स्थानीय निवासी रामण यादव, संजय कुंवर, पण्णु यादव, सारू पूजाहर, सनातन

रुज, मुना रुज, रंजन यादव, विपिन कुंवर सहित अन्य लोग उपरिथित थे।

पिली जानकारी के अनुसार राजा

निकल गया। गंभीर रूप से घायल लोगों का सामान गाड़ी में ही छुट्टे गया था जिसने गाड़ी सहित ले आया रहा है। जामा थाना सुरक्षित ले आया रहा है। जामा थाना प्रभारी जिंदेंद्र साह ने बताया कि घटना में दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहाँ कुछ यात्रियों को आंशिक रूप से घायलों के बालों जानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेजा गया। जिसमें गाड़ी की गंभीर रूप से घायल हो गयी है। घटना की सुचना मिलते ही जामा आया प्रभारी जिंदेंद्र यादव एवं एस एस एस रिवर संकर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घ

अमेरिका क्षितिंबर तक नष्ट कर देगा अपने केनिकल हथियारः रूस के दबाव में राष्ट्रपति बाइडेन ने की घोषणा, चीन के पास जापान के दास्यानिक हथियार

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने घोषणा की है कि वो सितंबर 2023 तक अपने सारे केनिकल हथियारों को नष्ट कर देंगे। रस्ते असल, पिछले महीने ही रूस और चीन ने एक जॉन्स-स्टर्टमेंट जारी कर अमेरिका पर केनिकल हथियारों को नष्ट करने का दबाव बनाया था। बायन में कहा गया था कि अमेरिका अकेले केनिकल वेपन काम करने का सदर्श्य है जिससे अपने रसायनिक हथियारों को खत्म नहीं किया जाए।

क्लाइट हाउस ने कहा कि अगले हफ्ते अमेरिका और उठड़ के सदर्श्य एक कॉन्फ्रेंस के लिए इकट्ठा होंगे। इसमें दुनिया को केनिकल हथियारों से मुक्ति दिलाने पर चर्चा की जाएगी। हम दुनिया को उदाहरण के जरिए लाइंड कर रहे हैं। अमेरिका हमेसे इस तरह के खतरनाक हथियारों को इकट्ठा करने का विरोध करता रहेगा। हमें दूसरे देशों को भी उठड़ के साथ काम करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

रूस का कहना है कि उसने 2017 में ही अपने सारे केनिकल हथियार नष्ट कर दिए थे। हालांकि, युक्रेन जंग शुरू होने के बाद अमेरिका और ब्रिटेन ने आशंका जाई थी कि रूस-युक्रेन के खिलाफ केनिकल वेपन वाली केनिकल हथियारों को इस्तेमाल कर सकता है। वहीं, रूस ने इसके पहले अमेरिका पर युक्रेन में केनिकल और बायोलॉजिकल हथियार बनाने का अप्रोलगाया था। चीन का कहना है कि उसने कभी भी केनिकल हथियार नहीं बनाया। हालांकि, उसके पास सेंकेंड वर्ल्ड वर्ल्ड के द्वारा जापान ने चीन में केनिकल हथियारों को बढ़ा जायेगा था। जिन्हें अब नष्ट करने की बात कही जा रही है।

आर्नोलाइंजेशन फॉर द प्रोहितिवन ऑफ केनिकल वेपन वाली डउड के मुताबिक, केनिकल हथियार ऐसे हथियार होते हैं, जिनमें जड़बीले केनिकल का इस्तेमाल जानबूझकर लोगों का मारने या नुकसान पहुँचाने के लिए होता है।

ऐसे सैन्य उपकरण जो खतरनाक केनिकल हथियार बना सकते हैं, उन्हें भी केनिकल हथियार या रसायनिक हथियार माना जा सकता है।

केनिकल हथियार इनमें घातक होते हैं कि ये पल भर में हजारों लोगों को मौत की नींद मुतासा सकते हैं और साथ ही उन्हें अन्य-अलग-बीमारियों के प्रभाव से तिल-तिल कर मारने को मजबूर कर सकते हैं।

केनिकल हथियार बायोलॉजिकल हथियार में खातों के बायोलॉजिकल हथियार में बैक्टीरिया और वायरस के जरिए लोगों को मारा या बीमार किया जाता है कि केनिकल हथियार सामूहिक विनाश के हथियारों को कैटेगरी में आते हैं।

पहले विश्व युद्ध के बाद से दो खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लाडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

इराकी सेना ने 1980 के दशक में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान ईरान के खिलाफ केनिकल हथियार का इस्तेमाल किया था, जिससे कम से कम 50 लड़ाक ईरानी मारे गए थे। तासाशाह सकाम हुसैन के निर्वेश पर 1988 में इराकी सेना ने अपने ही देश के कुखियां घातक मस्तक और नवं एजेंट केनिकल गैसों को इस्तेमाल किया था। करीब एक लाख कुर्दों को मौत के घाट ऊपर दिया था। 2013-17 के दौरान सिरिया के गृह युद्ध में राष्ट्रपति बशर अल असद ने कथित तौर पर रूस की मदद से कई बार अपने देश के विद्रोहियों के खिलाफ केनिकल हथियार सामूहिक विनाश के हथियारों को कैटेगरी में आते हैं।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, हालांकि पहले विश्व युद्ध के बाद इनका काम कम इस्तेमाल हुआ।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

इराकी सेना ने 1980 के दशक में खिलाफ घातक मस्तक और नवं एजेंट केनिकल गैसों को इस्तेमाल किया था। करीब एक लाख कुर्दों को मौत के घाट ऊपर दिया था। 2013-17 के दौरान सिरिया के गृह युद्ध में राष्ट्रपति बशर अल असद ने कथित तौर पर रूस की मदद से कई बार अपने देश के विद्रोहियों के खिलाफ केनिकल हथियार सामूहिक विनाश के हथियारों को कैटेगरी में आते हैं।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, हालांकि पहले विश्व युद्ध के बाद इनका काम कम इस्तेमाल हुआ।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, जिससे 1994 में 7 और 1995 में टोक्यो में इसके हमले से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

यूएन के मुताबिक, सौंधियत संघ-अमेरिका के बीच कोल्ड वॉर के दौरान कम से कम 25 लडांगों ने केनिकल हथियार बनाने और इकट्ठा करने का काम किया, जिससे उन्होंने खाड़ी युद्धों (इराक-हिन्दून युद्धों) सहित, कम से कम 12 लडांगों में केनिकल हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है।

जापान में आतंकियों ने 90 के दशक में सरीन गैस से केनिकल हमला किया था, ज

